उदजगोप सुन्दर

रागम्: उमाभरणम् ताळम्: आदि

(श्री ऊत्तुक्काडु वेङ्कटकवि विरचित)

पल्लवि

उदजगोप सुन्दर गिरिधर
उलूखलालान दामोदर

अनुपल्लवि

विदग्ध गोपवधूजनजीवन
वेणुगान विनोद वादन

चरणम्

सदा मधुरमुरळीगान

सुधारसाधर पान समान

लता निकुञ्ज कुटीर निधान
राजगोपाल मधुसूदन

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇